

**INDIAN LANGUAGE AND LITERATURE IN
HINDI**

Paper—I

Time : Three Hours

Full Marks : 300

Note :— Candidates should attempt Question 1 from Section-A and Question 5 from Section-B which are compulsory, and any **THREE** of the remaining questions, selecting at least **ONE** from each Section. All questions carry equal marks.

SECTION—A

1. किन्हीं तीन पर टिप्पणियां लिखिए :— 20×3=60
(क) अपभ्रंश
(ख) दक्खिनी हिन्दी
(ग) खड़ी बोली
(घ) नागरी लिपि की उत्पत्ति।
2. साहित्यिक भाषा के रूप में व्रजभाषा के विकास का परिचय दीजिए। 60
3. स्वाधीनता-संग्राम-काल में राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की भूमिका का परिचय दीजिए। 60

4. नागरी लिपि में सुधार के प्रयत्नों का परिचय देते हुए भारतीय भाषाओं के लिए इसकी उपयोगिता सिद्ध कीजिए। 60

SECTION—B

5. निम्नलिखित चार विकल्पों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :—
- (क) आपके मतानुसार हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास कौन-सा है ? तर्क-पूर्वक बतलाइए। 20
- (ख) कवि विद्यापति के महत्व पर विचार कीजिए। 20
- (ग) समकालीन साहित्यिक परिदृश्य में कबीर की प्रासंगिकता प्रतिपादित कीजिए। 20
- (घ) भारतेन्दुयुगीन हिन्दी नवजागरण की विशेषताएं बतलाइए। 20
6. “हिन्दी कविता के विभिन्न वादों से अलग होकर भी दिनकर की कविता सफलतापूर्वक अपना स्वतंत्र एवं विशिष्ट व्यक्तित्व स्थापित करती है।”—इस कथन की समीक्षा कीजिए। 60
7. यथार्थवाद के सन्दर्भ में प्रेमचन्द और फणीश्वरनाथ रेणु की उपन्यास-कला पर तुलनात्मक दृष्टि से विचार कीजिए। 60
8. रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना-सिद्धान्त का समीक्षात्मक परिचय दीजिए। 60

अथवा

हिन्दी नाटक और रंगमंच के विकास में मोहन राकेश के योगदान का आकलन कीजिए। 60